अनुक्रमांक..................
नाम.........................

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

128 321(HB)

2025

इतिहास

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ii) इस प्रश्नपत्र में पाँच खण्ड हैं। खण्ड 'क' में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, खण्ड 'ख' में 5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, खण्ड 'ग' में 6 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, खण्ड 'घ' में 3 विस्तृत उत्तरीय प्रश्न हैं तथा खण्ड 'ङ' में 10 ऐतिहासिक तिथियों व 5 मानचित्र से सम्बन्धित प्रश्न हैं।

iii) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित हैं।

खंड- क

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. "विशाल अन्नागार" का साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति के किस स्थल से प्राप्त हुआ? 1

(क) मोहनजोदड़ो (ख) धौलावीरा

(ग) रोपड़ (घ) कालीबंगा

2. महाभारत के रचयिता का क्या नाम था? 1

(क) कृष्ण (ख) व्यास

(ग) विदुर (घ) अर्जुन

3. त्रिरत्न किससे सम्बन्धित है? 1

(क) बौद्ध धर्म (ख) जैन धर्म

(ग) भौतिकवादी (घ) ब्राह्मण धर्म

4. **बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल है-** **1**

(क) लुम्बिनी (ख) बोधगया

(ग) कुशीनगर (घ) कपिलवस्तु

5. **महावीर का जन्म स्थान है/ था-** **1**

(क) कुण्डग्राम (ख) राजगृह

(ग) पाटलिपुत्र (घ) मिथिला

6. **'रिहला' किसकी रचना है?** **1**

(क) वर्नियर (ख) टैवर्नियर

(ग) इब्नबतूता (घ) अलबरूनी

7. **बर्नियर कहाँ का रहने वाला था?** **1**

(क) फ्रांस (ख) पुर्तगाल

(ग) इटली (घ) जर्मनी

8. **भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?** **1**

(क) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (ख) डॉ० बी०आर० अम्बेडकर

(ग) सी० राजगोपालाचारी (घ) जे०बी० कृपलानी

9. **पृथक् निर्वाचिका बनाये रखने की सशक्त दलील किसने पेश की?** **1**

(क) आर०वी० धुलेकर (ख) सरदार वल्लभभाई पटेल

(ग) राजेन्द्र प्रसाद (घ) बी० पोकर बहादुर

10. **राज्यों का पुनर्गठन कब किया गया?** **1**

(क) 1950 ई० (ख) 1952 ई०

(ग) 1954 ई० (घ) 1956 ई०

खण्ड (ख) (अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

11. **सिन्धु घाटी सभ्यता के दो प्रमुख केन्द्र कौन-से थे?** **2**

उत्तर- हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, कालीबंगा, कोटदीजी, रंगपुर, रोपड़, लोथल, आलमगीरपुर, बनावली एवं धौलावीरा आदि हड़प्पाकालीन प्रमुख केन्द्र थे।

modelpaper.info

12. इब्नबतूता का यात्रा वृत्तांत क्या कहलाता है और किस भाषा में लिखा गया है? 2

उत्तर- रिहला मोरक्को के यात्री इब्नबतूता का यात्रा वृत्तांत है। यह चौदहवीं शताब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक तथा सांस्कृतिक जीवन के विषय में बहुत ही प्रचुर और रोचक जानकारियाँ देता है। इसकी भाषा अरबी है

13. नलयिरादिव्यप्रबंधम् के विषय में आप क्या जानते हैं? 2

उत्तर अलवार संतों के एक मुख्य काव्य संकलन 'नलयिरादिव्यप्रबंधम्' (चार हजार पावन रचनाएँ) को 'तमिल वेद' के नाम से जाना जाता है। इस ग्रंथ का महत्त्व संस्कृत के चारों वेदों के जितना बताया गया जो ब्राह्मणों द्वारा पोषित थे।

14. 1857 के विद्रोह में प्रयुक्त प्रतीक चिह्न क्या था? 2

उत्तर- 'कमल और रोटी' 1857 के विद्रोह में प्रयुक्त प्रतीक चिह्न था।

15. मौलवी अहमदउल्लाह शाह पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2

उत्तर - मौलवी अहमदउल्लाह शाह ने 1857 के विद्रोह में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फैजाबाद में विद्रोह का नेतृत्व किया। इनकी जनता में गहरी पैठ थी। इन्हें हिन्दू और मुसलमान दोनों ही श्रद्धा की दृष्टि से देखते थे। उन्होंने चिनहाट के प्रसिद्ध संघर्ष में हिस्सा लिया जिसमें हेनरी लॉरेंस की अगुवाई वाली टुकडियों को मुँह की खानी पड़ी।

खण्ड (ग)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

16. अभिलेख किसे कहते हैं? 5

उत्तर- अभिलेखों का अध्ययन अभिलेखाशास्त्र कहलाता है। अभिलेख पत्थर, धातु या मिट्टी के बर्तन जैसी कठोर सतह पर खुदे होते हैं। इनमें राजाओं या जो इन्हें बनवाते हैं, उनकी उपलब्धियों, क्रियाकलाप या विचार लिखे जाते हैं अर्थात् अभिलेख एक प्रकार से स्थायी प्रमाण होते हैं; जैसे- अशोक के अभिलेखों से ही उसका इतिहास ज्ञात होता है। अब तक उसके 40 से भी अधिक

modelpaper.info

अभिलेख प्राप्त हो चुके हैं। इनसे उसके साम्राज्य की सीमा और उसके धर्म और प्रशासन सम्बन्धी अनेक बातें पता चलती हैं। इन अभिलेखों का महत्त्व इतना है कि इतिहासकार डी०आर० भण्डारकर ने अशोक के अभिलेखों के आधार पर ही उसका इतिहास लिखने का प्रयास किया है।

कई अभिलेखों में इनके निर्माण की तिथि खुदी रहती है जिन पर तिथि नहीं लिखी रहती, उनका काल-निर्धारण लेखन शैली के आधार पर किया जा सकता है। प्राचीनतम अभिलेख जनसामान्य की भाषा मैं लिखे मिलते हैं। तमिल, पालि और संस्कृत जैसी भाषाओं में भी अभिलेख मिलते हैं, वैसे अशोक के अभिलेखों का विभाजन तीन वर्गों में किया जा सकता है- (1) शिलालेख, (2) स्तम्भलेख और (3) गुहालेख।

17. सती प्रथा के कौन-से तत्त्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा? 5

उत्तर - यूरोपीय यात्रियों एवं लेखकों ने उन बातों का विस्तृत वर्णन करने में अधिक रुचि दिखाई थी, जो उन्हें आश्चर्यजनक अथवा यूरोपीय समाजों से भिन्न दृष्टिगोचर हुई थीं। महिलाओं से किए जाने वाले व्यवहार को पूर्वी और पश्चिमी समाजों के मध्य भिन्नता का एक महत्त्वपूर्ण परिचायक समझा जाता था। अतः बर्नियर भारत में प्रचलित सती प्रथा के प्रति अत्यधिक आकर्षित हुआ और उसने इसके वर्णन को अपने वृत्तान्त का एक महत्त्वपूर्ण भाग बनाया। सती प्रथा मध्यकालीन हिन्दू समाज में व्याप्त कुप्रथाओं में सर्वाधिक घृणित प्रथा थी। 'सती' शब्द का अर्थ है- 'पतिव्रता' और चरित्रवती स्त्री', किन्तु सामान्यतया इसका अर्थ पत्नी के अपने मृत पति के शरीर के साथ जल जाने की प्रथा से लिया जाता था। बर्नियर ने लिखा है कि कुछ महिलाएँ स्वेच्छापूर्वक खुशी-खुशी अपने पति के शव के साथ सती हो जाती थीं, किन्तु अधिकांश को ऐसा करने के लिए विवश कर दिया जाता था। लाहौर में एक बालिका के सती होने की घटना का अत्यधिक मार्मिक विवरण देते हुए उसने लिखा है, "लाहौर में मैंने एक बहुत ही सुन्दर अल्पवयस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार से बारह वर्ष से अधिक

नहीं थी, की बलि होते देखी। उस भयानक नरक की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी; उसके मस्तिष्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता; वह काँपते हुए बुरी तरह से रो रही थी; लेकिन तीन-चार ब्राह्मण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अनिच्छुक पीड़िता को घातक स्थल की ओर ले गए। उसे लकड़ियों पर बैठाया; उसके हाथ-पाँव बाँध दिये ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को जिन्दा जला दिया गया। मैं अपनी भावनाओं को दबाने में असमर्थ था मैं...।" इस विवरण से स्पष्ट होता है कि सती प्रथा के अन्तर्गत सती होने वाली महिलाओं की अल्पवयस्कता, अनिच्छा, व्यथा, विवशता एवं असहायता जैसे तत्त्वों ने बर्नियर का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया था।

18. वैदिक देवमण्डल (देवकुल) के प्रमुख देवताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5

उत्तर- वैदिक देवमण्डल (देवकुल) के देवताओं को स्थान के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित किया - जा सकता है- 1. पृथ्वी-स्थानीय देवता, 2. अंतरिक्ष-स्थानीय देवता और 3. वायु-स्थानीय देवता। प्रथम श्रेणी के देवताओं में पृथ्वी, अग्नि, सोम, बृहस्पति और नदियाँ आदि सम्मिलित हैं। द्वितीय श्रेणी के देवताओं में इंद्र, रुद्र और वायु आदि सम्मिलित हैं और तृतीय श्रेणी के देवताओं में वरुण, मित्र, सूर्य, सावित्री, विष्णु, - आदित्य, ऊषा और अश्विन आदि सम्मिलित हैं। इंद्र और वरुण को इन देवताओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। - इंद्र का स्थान सभी देवताओं में सर्वोच्च था। वे मुख्यतया युद्ध के देवता माने जाते थे। ऋग्वेद के 250 सूत्र अकेले इंद्र को ही समर्पित हैं। इसके अलावा अग्नि और सोम भी लोकप्रिय देवता थे। सोम वनस्पति के देवता थे जबकि अग्नि को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच संदेशवाहक के रूप में आदर दिया जाता था। वे मनुष्य द्वारा दिए - गये चढ़ावे को देवता तक ले जाने का कार्य करते थे। अग्नि ही ऐसे एकमात्र देवता थे जो देवताओं की तीनों श्रेणियों में विद्यमान थे। देवताओं की उत्पत्ति तो मानी गई है किंतु

अंत नहीं। वे अमर माने गये थे अर्थात् उनकी मृत्यु नहीं हो सकती। उनका रूप मनुष्य जैसा होता है। हालाँकि कुछ देवताओं को पशुरूप में भी माना जाता है; जैसे- द्यौस् को वृषभ।

19. विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए- 5

उत्तर - विजयनगर की प्रशासनिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ निम्न प्रकार थीं-

1. विजयनगर साम्राज्य की सेना संगठित व स्थायी थी। सेना का प्रमुख राजा होता था। पैदल, घुड़सवार, हाथी, तोपखाना सेना के प्रमुख अंग थे।
2. विदेशों से उत्तम नस्ल के घोड़े आयात किए जाते थे।.
3. विजयनगर के राजा निष्पक्ष न्याय में विश्वास रखते थे। साम्राज्य के विभिन्न भागों में नियमित न्यायालय थे। ग्रामों में जाति पंचायत एवं श्रेणी संगठन भी थे। सबके ऊपर राजकीय न्यायालय था जिसे 'सभा' कहा जाता था।
4. राज्य की आय का मुख्य साधन भू-राजस्व था जो उपज का तिहाई या छठा भाग होता था।
5. राजा की सहायता के लिए एक मंत्रिपरिषद् होती थी जिसमें प्रधानमंत्री, अन्य मंत्री, विभागों के प्रधान आदि राज्य के बड़े प्रमुख एवं योग्य व्यक्ति नियुक्त होते थे जो प्रमुख विषय पर राजा को परामर्श देते थे।

20. मनसबदारी प्रथा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

उत्तर- 'मनसब' का अर्थ 'स्थान' और 'पद' होता है। अकबर ने अपने सैनिक तथा असैनिक अधिकारियों का पद या स्तर निश्चित करने के लिए एक नयी पद्धति मनसबदारी व्यवस्था चलायी थी। अकबर ने 1571 ई० में मीर बख्शी शाहनवाज खाँ की सहायता से इस प्रथा को लागू किया था। अकबर द्वारा स्थापित मुगल सार्वजनिक सेवा निश्चित रूप से सैनिक प्रवृत्ति की थी और ईरान की प्रणाली पर आधारित थी। हर अधिकारी 'मनसबदार' होता था एवं सैद्धान्तिक रूप से इस राज्य की सेवा के लिए कुछ सैनिक देने पड़ते थे। सन् 1573-74 ई० में मनसबदारों की 33 श्रेणियाँ बनाई गईं। सबसे बड़ा मनसबदार 10,000 का था और छोटे-से-छोटा 10 का। अकबर के शासन के मध्य तक सामान्य व्यक्ति पंचहजारी मनसब बन सकता

था और इससे ऊँचे पद शाही वंश के सदस्यों के लिए सुरक्षित थे। इस प्रकार शहजादा सलीम 10 हजार का मनसबदार था। उसके वारिसों के शासनकाल में पंचहजारी से ऊँचे पद भी उच्च सेवा करने वालों को दिए जाते थे और शाही वंश के लिए वेतन में से वह अपने कोटे के हाथी, घोड़े, भारवाहक पशु एवं गाड़ी आदि रखने का व्यय वहन करता था। ऐसा प्रतीत होता है कि स्वयं अकबर के शासन में भी मनसबदार उतने सैनिक नहीं रखते थे जितने उसके पद से प्रकट होते थे। मनसबदार को दण्ड नहीं दिया जाता था यदि वह अपने निश्चित कोटे से कम सैनिक रखे। जहाँगीर के शासन काल में यह ग्राम प्रथा पड़ गई थी कि मनसबदार अपने पद से कम संख्या में घोड़े रखता था।

अकबर के शासनकाल में मनसबों की संख्या निश्चित थी, परन्तु उसके वारिसों के काल में उसमें वृद्धि होती रही।

21. लॉर्ड डलहौजी ने अवध का विलय किस आधार पर किया? 5

उत्तर- गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने 1851 ई० में अवध की रियासत के बारे में कहा था- "ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।" पाँच साल बाद, 1856 ई० में इस रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित कर दिया गया। रियासत पर कब्जे का यह सिलसिला थोड़ा लंबा चला। 1801 ई० से अवध में सहायक संधि थोप दी गई थी। इस संधि में शर्त थी कि नवाब अपनी सेना खत्म कर दे, रियासत में अंग्रेज टुकड़ियों की तैनाती की मंजूरी दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेजीडेंट की सलाह पर काम करे। अपनी सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद नवाब अपनी रियासत में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अंग्रेजों पर निर्भर था तथा विद्रोही मुखियाओं और ताल्लुकदारों पर उसका कोई नियंत्रण नहीं रह गया था। अवध पर कब्जे में अंग्रेजों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी क्योंकि उन्हें लगता था कि वहाँ की जमीन नील और कपास की खेती के लिए मुफीद है और इस इलाके को उत्तरी भारत के एक बड़े बाजार के रूप में विकसित किया जा सकता है। 1850 के दशक की शुरुआत तक वे देश के ज्यादातर बड़े हिस्सों को जीत चुके थे। मराठा भूमि,

modelpaper.info

दोआब, कर्नाटक, पंजाब और बंगाल, सब अंग्रेजों की झोली में थे। तकरीबन एक सदी पहले बंगाल पर जीत के साथ शुरू हुई क्षेत्रीय विस्तार की यह प्रक्रिया 1856 ई० में अवध के अधिग्रहण के साथ सम्पन्न हुई।

खण्ड (घ)

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

22. शालभंजिका पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

अथवा

भक्ति आन्दोलन की प्रमुख (मुख्य) विशेषताओं को बताइए।

23. विजयनगर की किलेबंदी तथा सड़कों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें। 10

अथवा

अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

24. असहयोग आन्दोलन' के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए।10

अथवा

पंचशील के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

खण्ड (ङ)

25. निम्नलिखित ऐतिहासिक तिथियों से सम्बंधित घटनाओं का उल्लेख कीजिए-

1×10 =10

(i) 1955-एस०आर० राव द्वारा लोथल में खुदाई का आरम्भ

(ii) 1960-बी०बी० लाल तथा बी० के० थापर के नेतृत्व में कालीबंगा में उत्खननों का आरम्भ

(iii) लगभग 500-200 ई०पू० -प्रमुख धर्मसूत्र (संस्कृत में)

(iv) लगभग 500-100 ई०पू०- आरम्भिक बौद्ध ग्रन्थ त्रिपिटक सहित (पालि में)

(v) लगभग 1400-1500 ई०- उड़ीसा के गजपति राज्य की स्थापना (1435), अहमदाबाद, बीजापुर तथा बरार सल्तनतों का उदय (1490)।

modelpaper.info

(vi) लगभग 1500-1600 ई०- पुर्तगालियों द्वारा गोवा पर विजय (1510) तालीकोटा का युद्ध (1565) पानीपत का प्रथम युद्ध (1526) एवं मुगल राज्य की स्थापना (1526)

(vii) 1765- बंगाल के दीवानी अधिकार ईस्ट इण्डिया कम्पनी को सौंप दिये गये

(viii) 1857- अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को रंगून निर्वासित कर दिया गया

(ix) 1588-91- राल्फ फिंच (अंग्रेज)

(x) 1608- विलियम फिंच

26. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र पर निम्न स्थानों को ⊙ चिन्ह द्वारा दर्शाइए तथा उनके नाम भी लिखिए। सही नाम तथा सही स्थान दर्शाने के लिए 1 + 1 निर्धारित है।

(i) सिन्धु सभ्यता का वह स्थान जहाँ बन्दरगाह स्थित था-लोथल

(ii) वह स्थान जहाँ मिट्टी के बने हल के प्रतिरूप मिले हैं- बनावली

(iii) वह स्थान जहाँ हर्षवर्धन की परवर्ती राजधानी स्थित थी- कन्नौज

(iv) वह स्थान जहाँ हर्षवर्धन की परवर्ती राजधानी स्थित थी- कन्नौज

(v) वह स्थान जहाँ गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था - बोधगया

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 26 के मानचित्र कार्य के विकल्प स्वरूप)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) वह स्थान जहाँ से उत्तर प्रदेश में 1857 की क्रान्ति प्रारंभ हुई- मेरठ

(ii) वह स्थान जहाँ भारत की राजधानी स्थित है- दिल्ली

(iii) वह स्थान जहाँ शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है- अजमेर

(iv) वह स्थान जहाँ पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन हुआ था - बम्बई

(v) वह स्थान जहाँ पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का तीसरा अधिवेशन हुआ था - मद्रास

modelpaper.info

अन्य महत्वपूर्ण मानचित्र से सम्बंधित प्रश्न

- माधो स्वरूप वत्स द्वारा हड़प्पा में उत्खनन का आरंभ वर्ष है-1921 ई०
- 'भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण' के प्रथम डायरेक्टर जनरल थे-अलेक्जेंडर कनिंघम
- भगवद्गीता सबसे महत्त्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश है- महाभारत का
- अलबरूनी ने 'तारीख-ए-हिन्द' किस भाषा में लिखी? - अरबी
- निम्न में से किसने खालसा पंथ की स्थापना की थी?-गुरु गोविन्द सिंह
- किस सूफी संत की दरगाह अजमेर में है? - मुईनुद्दीन चिश्ती
- अमीर खुसरो किस सूफी सन्त का शिष्य था? -शेख निजामुद्दीन औलिया
- हम्पी को राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली? 1976 में
- तालीकोटा में सल्तनतों की संयुक्त सेनाओं से रामराय की सेना पराजित हुई थी1565 में

modelpaper.info